

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 154 Cr.P.C.)

प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत)

1. District (जिला): STATE VIGILANCE BUREAU P.S. (थाना): SVB KARNAL Year (वर्ष): 2018
FIR No. (प्र.सू.रि. सं.): 0004 Date and Time of FIR (प्र.सू.रि. की दिनांक और समय): 30/03/2018 18:56 hrs

2.

S.No. (क्र.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धारा(एँ))
1	IPC 1860	120-B
2	IPC 1860	167
3	IPC 1860	218
4	IPC 1860	409
5	IPC 1860	418
6	IPC 1860	420
7	IPC 1860	477-A
8	PREVENTION OF CORRUPTION ACT, 1988	13(2)
9	PREVENTION OF CORRUPTION ACT, 1988	13(1)(c)
10	PREVENTION OF CORRUPTION ACT, 1988	13(1)(d)(ii)

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):
- 1 Day (दिन): Intervening Days Date from (दिनांक से): 01/01/2014 Date To (दिनांक तक): 01/01/2016
Time Period (समय अवधि): Time From (समय से): 12:10 hrs Time To (समय तक): 12:10 hrs
- (b) Information received at P.S. (थाना जहाँ सूचना प्राप्त हुई): Date (दिनांक): 30/03/2018 Time (समय): 18:31 hrs
- (c) General Diary Reference (रोजनामचा संदर्भ): Entry No. (प्रविष्टि सं.): 012 Date and Time (दिनांक और समय): 30/03/2018 18:31 hrs

4. Type of Information (सूचना का प्रकार): Written

5. Place of Occurrence (घटनास्थल):

1. (a) Direction and distance from P.S. (थाना से दूरी और दिशा): SOUTH-WEST Beat No. (बीट सं.):
(b) Address (पता): karnal,
(c) In case, outside the limit of this Police Station, then Name of P.S. (यदि थाना सीमा के बाहर है तो थाना का नाम):
District (State) (जिला (राज्य)):

6. Complainant / Informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता):

- (a) Name (नाम): Inspector Sultan SINGH
(b) Father's/Husband's Name (पिता/पति का नाम):
(c) Date/Year of Birth (जन्म तिथि / वर्ष): 04/06/1963 (d) Nationality (राष्ट्रीयता): INDIA
(e) UID No. (यूआईडी सं.):
(f) Passport No. (पासपोर्ट सं.):

Date of Issue (जारी करने की दिनांक):

Place of Issue (जारी करने का स्थान):

- (g) ID Details (Ration Card, Voter ID Card, Passport, UID No., Driving License, PAN) (पहचान विवरण (राशन कार्ड, मतदाता कार्ड, पासपोर्ट, यूआईडी सं., ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड))

S. No. (क्र.सं.)	ID Type (पहचान पत्र का प्रकार)	ID Number (पहचान संख्या)
------------------	--------------------------------	--------------------------

- (h) Occupation (व्यवसाय):

- (i) Address (पता):

S.No. (क्र.सं.)	Address Type (पता का प्रकार)	Address (पता)
1	Present Address	PS/SVB/KNL, SVB KARNAL, STATE VIGILANCE BUREAU, HARYANA, INDIA
2	Permanent Address	PS/SVB/KNL, SVB KARNAL, STATE VIGILANCE BUREAU, HARYANA, INDIA

- (j) Phone number (दूरभाष सं.):

Mobile (मोबाइल सं.):

7. Details of known / suspected / unknown accused with full particulars (ज्ञात / संदिग्ध / अज्ञात अभियुक्त का पूरे विवरण सहित वर्णन):

S. No. (क्र.सं.)	Name (नाम)	Alias (उपनाम)	Relative's Name (रिश्तेदार का नाम)	Present Address(वर्तमान पता)

8. Reasons for delay in reporting by the complainant / informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):

9. Particulars of properties of interest (संबन्धित सम्पत्ति का विवरण):

S. No. (क्र.सं.)	Property Category (सम्पत्ति श्रेणी)	Property Type (सम्पत्ति के प्रकार)	Description (विवरण)	Value(In Rs/-) (मूल्य (रु में))

10. Total value of property (In Rs/-) (सम्पत्ति का कुल मूल्य(रु में)):

11. Inquest Report / U.D. case No., if any (मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट / यू.डी.प्रकरण सं., यदि कोई हो):

S. No. (क्र.सं.)	UIDB Number (यू.डी.प्रकरण सं.)
------------------	--------------------------------

12. First Information contents (प्रथम सूचना तथ्य):

सेवा में प्रबन्धक थाना, राज्य चौकसी ब्यूरो, करनाल मण्डल करनाल श्रीमान जी निवेदन है कि माननीय पंजाब एंव हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा IOIN-LPA No. 1391 of 2015 में पारित आदेश दिनांक 05.04.2017 की अनुपालना में जांच क्रमांक 04 दिनांक 12.05.2017 रोहतक दर्ज की गई थी जिसमें समस्त हरियाणा के राजकीय विद्यालयों में लगभग चार लाख छात्रों की अधिक संख्या दिखाकर उन्हें दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशी के गबन व अध्यापकों की आवश्यकता दिखाने की जांच की जानी थी। इस जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया तथा विशेष जांच दल द्वारा की गई जांच में पाया गया कि on the basis of data provided by the Elementary School Education Department itself, it is a clear case of fake enrolment of students- because in Elementary Education Department, due to no- retention policy and non-striking off names of students due to absence, there cannot be any reasons for such huge difference in the numbers of students in the next academic session. For the transfer cases/school leaving certificate cases and drop-out cases, there must be entry in the record of the school. In the absence of any such explanation, this is a clear case of criminal breach of trust (by misappropriation of funds of various students-related schemes) and fabrication of official record by the concerned public servants. Physical verification of record of one Primary/Elementary school in each district in their jurisdiction was got done by the three SsP of State Vigilance Bureau Ranges Rohtak, Hisar and Gurugram on random basis. In the 5 schools of Rohtak Range difference of 472 number of students was found during the check- period. Similarly in the 5 schools of Hisar Range difference of 581 number of students was found and in 6 Schools of Gurugram Range, difference of 589 number of students was found. Such huge difference is without any explanation. The names of students have been shown to have been struck-off due to long-absence, whereas there was policy of non-striking of the names. Moreover, the address of the students are incomplete, rendering their physical verification impossible. As per the information given by Elementary Education Department through their officers Sh. R.P. Sangwan, Joint Director, Elementary Education, Haryana and Sh. Dilbagh Singh, Joint Director, O/O Director Elementary Education Haryana who appeared before the SIT, after computerization i.e. feeding of Aadhar numbers and Bank Account with Student IDs, a huge number of discrepancy in records of enrolment of students was found which was compiled at the block level. This shows that fictitious student had been enrolled in various schools. Now comes the motive for such fictitious enrolments. The perusal of various schemes of the Education Department makes it clear that several benefits were being given in cash and in kind to students so enrolled. Hence, a larger number of students would mean that much more amount as grant available to Principals and other officials within the system. So, the motive is also established and it is established that a large amount of money sanctioned for various schemes for students was embezzled and misappropriated. Thus the Crime is complete. Further it needs to be clarified as to who benefited from the such embezzlement and to what extent. The study of the systems by which such money was disbursed shows the route beginning from the department of Elementary Education through DEOs to principals of each school. This is a large network of officers and officials of the Department of Education. It is therefore, imperative, then that detailed and correct investigation be done to examine the role of those who have indulged in criminal practices and separate those who have acted in good faith. इस रिपोर्ट में a case u/s 167, 218, 409, 418, 420, 477-A, 120-B, IPC and section 13(1)(c), 13(1)(d)(ii), read with 13(2) of P.C. Act दर्ज करने का सुझाव दिया गया था। विशेष जांच दल द्वारा अपनी रिपोर्ट 07.03.2018 को राज्य चौकसी ब्यूरो, मुख्यालय, पंचकूला में प्रस्तुत की गई थी जिसके अधार पर महानिदेशक, राज्य चौकसी ब्यूरो, हरियाणा, पंचकूला ने अपनी टिप्पणी पत्र क्रमांक 3497/रा0चौ0ब्यूरो(ह0) दिनांक 20.03.2018 द्वारा अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, चौकसी विभाग को भेजी गई थी जो अब अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, चौकसी विभाग के पत्र क्रमांक 63/33/17- VII दिनांक 28.03.2018 अनुसार अनुमोदित हो कर महानिदेशक, राज्य चौकसी ब्यूरो, हरियाणा, पंचकूला के कार्यालय में प्राप्त हुई है। शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध करवाये गये वर्ष 2014-15 व 2015-16 के आंकड़ों में अन्तर हरियाणा के सभी जिलों में पाया जाने पर महानिदेशक, राज्य चौकसी ब्यूरो, हरियाणा, पंचकूला ने अपने पत्र क्रमांक 3843-50/आई-6/रा0चौ0ब्यूरो0 दिनांक 30.03.2018 के अनुसार पुलिस अधीक्षक राज्य चौकसी ब्यूरो, पंचकूला, अम्बाला, करनाल, गुरुग्राम तथा फरीदाबाद को अपने अपने थाना क्षेत्र के अधीन हुए अपराध के समबन्ध में अलग अलग मुकदमे दर्ज करने हेतू जांच रिपोर्ट भेजी है जिस पर अधिकारियों /कर्मचारियों शिक्षा विभाग, हरियाणा व अन्य के विरुद्ध जेर धारा 167, 218, 409, 418, 420, 477-A, 120-B, IPC and section 13(1)(c), 13(1)(d)(ii), read with 13(2) P.C Act के तहत लेख मुकदमा दर्ज करने के लिए भेजी जा रही है बाद दर्ज करने मुकदमा नकल प्रथम सूचना रिपोर्ट बजरिया स्पेशल रिपोर्ट अफसरान बाला व इलाका मजिस्ट्रेट को भेजी जावे। Sultan Singh Inspector ps/svb/Knl dated 30-03-2018 at 6.31 PM ----अज थाना :- हस्ब आमदा ई-मेल द्वारा प्राप्त तहरीर पर मु0 नं0 04 दिनांक 30-03-2018 U/S 167, 218, 409, 418, 420, 477-A, 120-B, IPC, 13(1)(c), 13(1)(d)(ii), read with 13(2) P.C. Act थाना राज्य चौकसी ब्यूरो करनाल दर्ज रजिस्टर किया जाकर FIR की कम्प्यूटरकृत प्रतिया तैयार कि गई। अफसरान बाला को बजरिया स्पेशल मैसेन्जर /Mail द्वारा सूचना दी गई मुकदमा हजा की स्पेशल रिपोर्ट ईलाका मैजिस्ट्रेट साहब, करनाल को देने के लिये बदस्त सिपाही प्रवीन कुमार न0 949/पानीपत के भेजी जा रही है नकल मिशल पुलिस, असल तहरीर मय आमदा रिकार्ड को आगामी तफतीस हेतू बदस्त सिपाही रिंकु कुमार न0 806/करनाल के निजद श्री श्याम लाल उप पुलिस अधीक्षक (कार्यवाहक अधीक्षक) रा0चौ0ब्यूरो0 करनाल मण्डल, करनाल भेजी जा रही है।

13. Action taken: Since the above information reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2.

(की गयी कार्यवाही : चूंकि उपरोक्त जानकारी से पता चलता है कि अपराध करने का तरीका मद सं. 2 में उल्लेख धारा के तहत है.):

- (1) Registered the case and took up the investigation (प्रकरण दर्ज किया गया और जांच के लिए लिया गया): / or (या)
- (2) Directed (Name of I.O.) (जांच अधिकारी का नाम): Shyam Lal Rank (पद): Dy. SP (Deputy Superintendent of Police)
- No. (सं.): HPS to take up the Investigation (को जांच अपने पास में लेने के लिए निर्देश दिया गया) or (या)
- (3) Refused investigation due to (जांच के लिए): or (के कारण इंकार किया या)
- (4) Transferred to P.S. (थाना): District (ज़िला):
- on point of jurisdiction (को क्षेत्राधिकार के कारण हस्तांतरित).

I.I.F.-I (एकीकृत जाँच फार्म-I)

F.I.R. read over to the complainant / informant, admitted to be correctly recorded and a copy given to the complainant /informant, free of cost. (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता को प्राथमिकी पढ़ कर सुनाई गयी, सही दर्ज हुई माना और एक कॉपी निशुल्क शिकायतकर्ता को दी गयी)

R.O.A.C. (आर.ओ.ए.सी.)

Signature of Officer in charge, Police Station (थाना प्रभारी के हस्ताक्षर)

Name (नाम): Raj singh

Rank (पद): Dy. SP (Deputy Superintendent of Police)

No. (सं.): dsp

14. Signature / Thumb impression of the complainant / informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता के हस्ताक्षर /अंगूठे का निशान)

15. Date and time of dispatch to the court (अदालत में प्रेषण की दिनांक और समय):